

In this Issue:

- Dr. Pellakuru Subba Reddy's 79th Birthday**..... 1
- Status of soil phosphorus in different soil types in Saurashtra, Gujarat** 2
- हिंदी चेतना सप्ताह** 3
- Vist of Dr. T. Mohapatra, DG-ICAR to DGR, Junagadh** 4
- Personnel**..... 5

Editorial team:
Abhay Kumar
Radhakrishnan T

Photo Credit:
AM Vakhariya

Connect with us:



We want to hear from you:

To inspire our readers and recognize your accomplishments, we would like to feature your story in one of our upcoming newsletters. Please send your contributions, suggestions, etc. to: socialmedia@nrcg.res.in

Published by:

Director

ICAR-Directorate of Groundnut Research
PO Box 5, Inagar Road, Junagadh-362001, Gujarat
website: www.dgr.org.in
e-mail: director@dgr.org.in
Fax: +91 -285-2672550
Phone: +91 -285-2673041, 2672461



Dr. Pellakuru Subba Reddy's 79th Birthday

Dr. PS Reddy was born on 1st July, 1937 in a small village named Makhtapuram in Nellore district of Andhra Pradesh. He completed his Bachelor's degree in Agriculture in 1960, Masters in 1963 and PhD degree under the guidance of Dr. D'Cruz in the year 1967. After working as Assistant Oilseeds Specialist and Assistant Professor at Andhra Pradesh Agricultural University (now known as ANGRAU) he joined as the Project Coordinator (Groundnut) at the National Research Centre on Groundnut (presently known as DGR) in Junagadh. Later in 1984, Dr. PS Reddy was appointed as the Director of NRCG (DGR) and continued his service in groundnut research and development. He also spearheaded All India coordinated crop research on groundnut under unified umbrella of all the oilseed crops together (AICORPO) and was responsible for obtaining a separate project status- 'All India Coordinated Research Project on Groundnut' popularly known by its acronym: AICRP-G. After 10 years of service at NRCG (DGR) he was posted as Project Director at Directorate of Oilseeds Research (IIOR), Hyderabad in 1995 and lead the organization until his retirement in 1997. Dr. PS Reddy is recognized for his remarkable contribution to oilseeds research and

development. During his tenure at ANGRAU, he developed the three popular groundnut cultivars Kadiri 71-1, Kadiri 2 and Kadiri 3. The Kadiri 3 was also released in other countries like Myanmar, Tanzania and Zambia through combined efforts of ICRISAT and national institutes. The most popular advanced breeding lines for ICRISAT namely ICGS 11 and ICGS 44 were also derived from Kadiri 3.

Dr. Reddy was instrumental in establishing the laboratory and office building, staff quarters and guest house at NRCG in Junagadh. During his tenure at NRCG, Junagadh developed the groundnut cultivar Girnar 1, which is early maturing, multiple resistance to foliar diseases, aflatoxin, jassids and drought. The recently realized groundnut variety Girnar 3, high-yielding spanish bunch variety with medium bold kernels was also derived from Girnar 1. Dr. Reddy had published more than 150 research papers and technical bulletins. He edited book entitled "Groundnut" and co-authored book entitled "Cytogenetics and Genetics of Groundnut".

The ICAR-Directorate of Groundnut Research gratefully remembers this day of groundnut on his 79th birthday with gratitude.

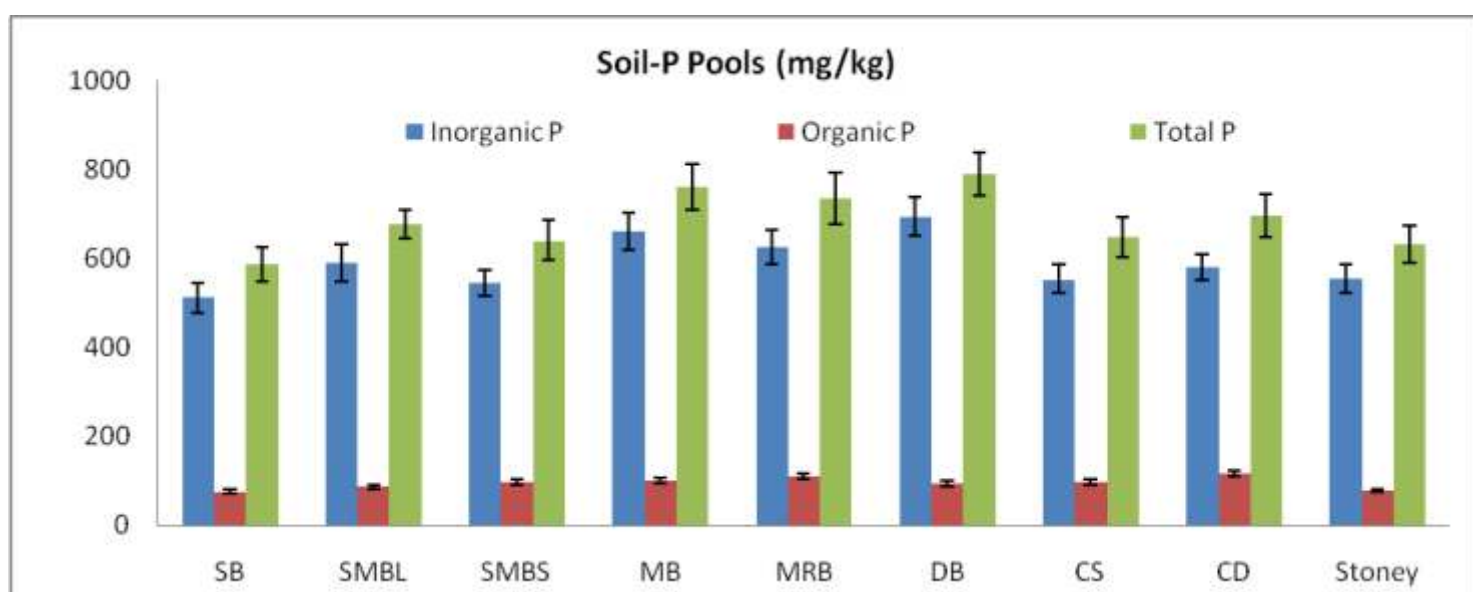
Inputs: K Gangadhara, AL Ratnakumar and Radhakrishnan T

Status of soil phosphorus in different soil types in Saurashtra, Gujarat

Phosphorus is an important nutrient in crop production. It promotes root growth and helps in energy transformation as well as photosynthesis in plant. The function of phosphorus as a constituent of macromolecular structures especially in nucleic acids, found in DNA and RNA is well known. However, being immobile largely, it remains unavailable to the plants.

Knowledge about content and distribution of soil nutrients may provide a logical basis for management of plant nutrients for different crops. The soils in Saurashtra region are generally shallow to medium black mainly developed on basaltic trap, limestone and in some part on sandstone parent materials. Medium to deep alluvial soils also envelop a considerable area particularly in seacoasts. In some patches stony type of soils were also occurred. The soils are generally alkaline in reaction (pH 7.5 to 8.9), fine textured (clay content ranged from 10 to 60%) having high CEC (15 to 80 me/100g soil) with high base saturation. The calcium carbonate content in these soils was ranged from 2 to 55% with exchangeable calcium of 2 - 10 milli-equivalents per 100g soil. The organic carbon content of the soils was in the range of low to medium (0.25 to 0.82%). The exchangeable sodium percentage was ranged between 4 to 10% except in

saline-sodic soils. Phosphorus (P) in these soils predominately occurs in the inorganic form (>90%) depending upon the soil parent material and land use. Total P content varies from 600 - 900 mgkg⁻¹ whereas < 2.5% of the total soil P was observed as available P for plant nutrition in different soils of Saurashtra region. Generally soils of this region were ranged from low (50 to 95%) to medium (5 to 50%) in availability of soil phosphorus. The high index for available soil P was also observed in some pockets of Junagadh and Bhavnagar (about 5-10%). About one third of the total inorganic P was recovered as Ca-P (>65%) and rest were found in the order of Al-P>Fe-P> Reductant-P>Saloid-P and Occluded-P. Further characterization of soil phosphorus into different conceptual pools revealed that highest labile and mineralizable P were recovered from soils collected from Junagadh district followed by Bhavnagar, Amreli and Rajkot. A wide variability was observed for stable soil phosphorus pool which is highly recalcitrant and resistant to solubilize and mobilize for nutrition of plants. These results indicates that despite of high P buffering capacity these soils have the great potential for P nutrition of plants using appropriate management practices.



Soil P pools in different soil types in Saurashtra region of Gujarat (SB; Shallow black, SMBL; Shallow to medium black limestone, SMBS; Shallow to medium black sandstone, MB; Medium black, MRB; Mixed red and black, DB; Deep black, CS; Coastal shallow, CD; Coastal deep)

हिंदी चेतना सप्ताह

इस निदेशालय में दिनांक 14.09.2016 से 21.09.2016 तक "हिंदी चेतना सप्ताह" का आयोजन किया गया। दिनांक 14.09.2016 को प्रेक्षागृह में उद्घाटन समारोह रखा गया जिसमें सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया। सबसे पहले श्री एच. बी. लालवानी द्वारा हमारे माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह के संदेश का पठन किया गया। इस कार्यक्रम में डा. ए. एल. सिंह, प्रभारी-निदेशक एवं प्रधान वैज्ञानिक ने निदेशालय के परिवार को इस अवसर पर बधाई दी एवं सभी हिंदी में और अधिक कार्य करने हेतु सुझाव दिया।

इसके तुरंत बाद सम्मलेन कक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्वाह्न "हिंदी प्रश्नोत्तरी" एवं अपराह्न "दृश्य देखकर कहानी लेखन" की प्रतियोगिता रखी गयी। दोनों ही प्रतियोगिताओं में कुल बीस प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया। हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री. डी. आर. भट्ट ने प्रथम, श्री एन. जी. वाढेरे ने द्वितीय एवं श्री पी. दाश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया एवं दृश्य देखकर कहानी लेखन प्रतियोगिता में श्री. चिराग जी. मोरडिया ने प्रथम, श्री. डी. आर. भट्ट ने द्वितीय एवं श्री आर. पी. सोंदरवा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।



दिनांक 16.09.2016 को "भारतीय युवा एवं राजनीति" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता रखी गयी जिसमें 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस निबंध लेखन प्रतियोगिता को हिंदी एवं अ-हिन्दी क्षेत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया। हिंदी क्षेत्र में डा. आर. ए. जाट ने प्रथम, श्री लोकेश कुमार ने द्वितीय एवं श्री श्री अनिल कुमार मौर्य ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि अ-हिन्दी क्षेत्र में डा. एच. के. गोर, ने प्रथम, श्री एच. एम. हिन्प्रजियाने द्वितीय एवं श्री ऋशी जोशी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

"नेटवर्किंग साईट-अच्छी या बुरी" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता रखी गयी जिसमें 14 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वाद-विवाद प्रतियोगिता को भी हिंदी एवं अ-हिन्दी क्षेत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया। हिंदी क्षेत्र में डा. एम. के. महात्मा ने प्रथम, श्री अनिल कुमार मौर्य ने द्वितीय एवं श्री लोकेश कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि अ-हिन्दी क्षेत्र में श्री एच. एम. हिन्प्रजियाने प्रथम, डा. एस. डी. सावलिया ने द्वितीय एवं श्री सुजीत विशी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।



दिनांक 16.09.2016 एवं दिनांक 19.09.2016 को आयोजित प्रतिभागियों में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों सान्तवना पुरस्कार भी दिया गया। अंत में श्री एच. बी. लालवानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नराकास के अंतर्गत हिंदी कार्यशाला

इस निदेशालय में दिनांक 14.09.2016 को "हिंदी चेतना सप्ताह" के उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद सम्मलेन कक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें पूर्वाह्न हिंदी प्रश्नोत्तरी की एवं अपराह्न दृश्य देखकर कहानी लेखन की प्रतियोगिता रखी गयी। दोनों ही प्रतियोगिताओं में कुल 20 प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला की दोनों ही प्रतियोगिताओं में तीन-तीन पुरस्कार रखे गए थे।

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने काफी उत्साह से हिस्सा लिया, कार्यशाला की दोनों ही प्रतियोगिताओं में तीन-तीन पुरस्कार रखे गए थे। उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं को सुचारू रूप से करवाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री. डी. आर. भट्ट ने प्रथम, श्री एन. जी. वाढेरे ने द्वितीय एवं श्री पी. दाश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। दृश्य देखकर कहानी लेखन प्रतियोगिता में श्री. चिराग जी. मोरडिया ने प्रथम, श्री. डी. आर. भट्ट ने द्वितीय एवं श्री आर. पी. सोंदरवा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इस कार्यशाला का समन्वयन एवं संयोजन का कार्य श्री एच. बी. लालवानी, (सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं हिंदी अधिकारी) द्वारा किया गया। इस में डा. एम. के. महात्मा, श्री ए. डी. मकवाना, डा. आर. श्री रणवीर सिंह, श्री लोकेश कुमार, श्री अनिल कुमार मौर्य, श्री एच. बी. पटेल, ए. एम. वखारिया, श्री पी. बी. गरचर एवं श्री जयदीप ने भी अपना योगदान देकर इस कार्यशाला को सुचारू रूप से करने में अपना सहयोग दिया।

अंत में श्री एच. बी. लालवानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नराकास की तृतीय छमाही बैठक

दिनांक 21 सितम्बर, 2016 को 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति' (नाराकास)-जूनागढ़ की तृतीय बैठक भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में आयोजित की गयी। इस बैठक में इस निदेशालय सहित कुल 15 सदस्य-कार्यालयों ने भाग लिया। यह बैठक डॉ. राधाकृष्णन टी, निदेशक, भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़ की अध्यक्षता में की गयी। इसका संयोजन एवं समन्वयन श्री. एच. बी. लालवानी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं हिंदी अधिकारी, राजभाषा हिंदी समिति जूनागढ़, भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में इस निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. महेश कुमार महात्मा ने जूनागढ़ स्थित विभिन्न चार सदस्य-कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्ट का पॉवर-पॉइंट एवं बैठक के दौरान अन्य सदस्य-कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्ट भी प्रस्तुत की, जिसकी समीक्षा डॉ. राधाकृष्णन टी, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़, द्वारा की गयी।

नाराकास-जूनागढ़ की आगामी बैठक अप्रैल, 2017 में प्रस्तावित है, जिससे पहले हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार की आवश्यकता जाहिर की गई। इसके अंतर्गत विभिन्न सदस्य-कार्यालयों को कुछ विशिष्ट कार्य दिये गए तदुपरांत इन सभी कार्यालयों को अप्रैल, 2017 में होनेवाली बैठक के पहले दिए गए कार्यों को संपन्न करके उनकी रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ इत्यादि इस निदेशालय को भेजने को कहा गया। श्री रणवीर सिंह ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सभी उपस्थित सदस्य-कार्यालयों का आभार प्रकट किया, और कहा कि सदस्य-कार्यालयों के सहयोग से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़, डॉ. राधाकृष्णन, के सानिध्य में नई ऊंचाईयों को हासिल कर सकती है।

अंत में श्री एच. बी. लालवानी, हिंदी अधिकारी, ने इस बैठक को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी सदस्य-कार्यालयों के सदस्यों एवं सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।



Vist of Dr. T. Mohapatra, DG-ICAR to DGR, Junagadh

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) and Director General (ICAR) visited ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh on 4th Sept, 2016. In his address to staff of the Institute, he appreciated the Directorate in commercializing cellulase and protease enzyme technologies. Dr. Mohapatra called for a concerted effort of all the staff in bringing the organization to a newer heights, he emphasized a greater focus on utilization of wild species, varietal development, quality improvement, and management of biotic and abiotic stresses in the research programmes. He visited the farmers' groundnut fields in and around Juangadh, museum, experimental fields and the DGR farm. He also visited labs of Biotechnology, Microbiology and Physiology and interacted with the Scientists on the progress of research activities. During interaction with staff of the institute, Dr Mohapatra discussed several important issues including scientific, technical, administrative and personnel in large. Dr. Radhakrishnan T., Director, ICAR-DGR expressed his gratitude and sincere thanks to the DG, ICAR and made a brief presentation on establishment, progress and recent research activity of the Institute, and its impact on farmers' field.



DG, ICRISAT visits Directorate of Groundnut Research

Dr. David Bergvinson, Director General, International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (ICRISAT), Hyderabad visited ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh on 7th Sept, 2016. He was highly appreciative of the research efforts, infrastructure and scientific strengths of the Institute and desired to have more such fruitful collaborations in future. He also visited Institute facilities and the experimental fields and interacted with scientists regarding experiments and ongoing research programmes. Dr. Bergvinson, emphasized that the collaboration benefits the farming community and they are committed to achieve real impact through the partnership. Dr. Radhakrishnan T, Director, ICAR-DGR made a brief presentation on establishment, progress, research achievements and functioning of DGR.



Participation of ICAR-DGR at ICAR-ATARI zonal workshop at RVSKVV, Gwalior

The ICAR-Directorate of Groundnut Research had been invited for presenting the transferable groundnut technologies available for Odisha, Madhya Pradesh, and Chhattisgarh in this workshop. The session was chaired by Dr. HS Yadava, DRS, RVSKVV, Gwalior. Dr. Narayanan G has presented most promising varieties which are having assured seed supply and performed better in the *kharif* and *rabi*-summer season. He emphasized on use of relatively short duration varieties having moderately tolerant to end-of season drought namely Girnar 3 and TG 37A in Kharif and their suitability in addressing the in-situ germination problems faced by the farmers at the time of harvest. Along this, he also discussed about existing method of groundnut cultivation, acreage, productivity constraints and quality deficits in groundnut for export markets from these states. Apart from creating awareness among KVK personnel about split application of gypsum @ 600 kg ha⁻¹ in two splits i.e. 50% as basal and remaining 50% at flowering (45 DAS), and best sowing methods like raised-bed furrow and broad-bed furrow methods he also emphasized on adoption of low-cost production technologies and post-harvest technologies for quality produce to fetch high market realization. On this occasion the ICAR-DGR also invited the progressive farmers and KVK personnel to DGR for capacity building programmes as well as expressed its readiness for collaboration with KVKs in implementing Tribal Sub Plan (TSP) activities.



Parthenium Awareness Week

A "Parthenium Awareness Week" was observed at ICAR-DGR from 16 - 22nd August 2016 to make farmers and general public aware about the menace of Parthenium, which is responsible for causing health problems in human beings and animals, besides deteriorating environment, loss of productivity and biodiversity. All the scientific and technical staff participated in the drive involving uprooting and disposal of *Parthenium* in the farm area of the Directorate.

Parthenium, popularly known as the Congress weed, star weed or carrot weed is considered one of the seven most dreaded weeds of the world. First observed in India in 1956, it has now spread throughout the country. It germinates in summer and in rainy season, produces flowers and seed throughout its life.

The weed is responsible for largest number of airborne contact dermatitis in India. Almost every part of the plant is reactive. The awareness drive on 22nd August was presided over by the Director, Dr. Radhakrishnan T. of the Directorate.



Institute Seminars

Speaker	Date	Topic
Dr. SK Bera Principal Scientist	2 nd July, 2016	Identification of a novel QTL governing resistance to Sclerotial stem rot disease in peanut
Dr. SK Bishi Scientist	17 th Sept, 2016	Salinity induced differential induction of antioxidant enzyme system as early and late responses in peanut roots at seedling establishment stage

Promotions

- Sh. PB Garchar**, promoted to the post of Technical officer T-5 w.e.f. 22nd Oct, 2015
- Sh. NM Safi** promoted to the post of Technical officer T-5 w.e.f. 28th June, 2016
- Sh. GG Bhalani** promoted to the post of Sr Technical Assistant T-4 w.e.f. 28th June, 2016
- Sh. BM Solanki** promoted to the post of Sr Technical Assistant t-4 w.e.f. 28th June, 2016
- Sh. MB Sheikh**, SSS 3rd financial upgradation w.e.f. 21st Feb, 2016 on completion of 30 years of services
- Sh. JG Agrawat**, SSS 3rd financial upgradation w.e.f. 10th Mar, 2016 on completion of 30 years of services
- Sh. BJ Dabhi**, SSS 2nd financial upgradation w.e.f. 20th Mar, 2016 on completion of 20 years of services
- Sh. KT Kapadia**, SSS 3rd financial upgradation w.e.f. 7th April, 2016 on completion of 30 years of services

Superannuations



- Sh. VG Koradia**, Chief Technical officer, retired on 31st July, 2016 after three decades of service in ICAR.
- Sh. J.G. Kalaria**, Tractor Driver, retired on 31st August, 2016